यूपीईएस के मंच पर पहुंचे आक्सफोर्ड के एमेरिटस प्रोफेसर माइल्स ह्यूस्टोन

- लिबरल स्टडीज और सोशल साइकोलाजी के भविष्य पर किया विचार विमर्श
- सोशल साइकोलाजी के क्षेत्र के प्रसिद्ध विद्वान प्रो.माइल्स ह्यूस्टोन ने रखे विचार

जागरण संवददाता, देहरादून : यूपीईएस ने सोशल साइकोलाजी के क्षेत्र के प्रसिद्ध विद्वान और यूनिवर्सिटी आफ आक्सफोर्ड के एमेरिटस प्रो. माइल्स ह्यूस्टोन की मेजबानी की। यह सत्र दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में हुआ, जिसमें उन्होंने लिबरल स्टडीज सिर्फ एक डिग्री या एक सुपरपावर विषय पर चर्चा की।

कार्यक्रम यूपीईएस के स्कूल आफ लिबरल स्टडीज एंड मीडिया की ओर से आयोजित किया गया। जिसमें साइकोलाजी के विकास और इसके समाज व करियर पर बढ़ते प्रभाव पर चर्चा की गई। प्रो. माइल्स ह्यूस्टोन, जो आक्सफोर्ड के न्यू कालेज से संबद्ध रहे हैं और विश्व प्रसिद्ध सामाजिक मनोविज्ञानी हैं, भारत में विशेष रूप से यूपीईएस के निमंत्रण पर आए हैं। जून से वे देहरादून स्थित यूपीईएस कैंपस में कई व्याख्यान और कार्यशालाओं का आयोजन कर रहे हैं। दिल्ली में उन्होंने मानव व्यवहार समूहों के बीच संबंध और सहमति परोपकार और निर्णय लेने जैसे विषयों पर गहराई से चर्चा की।

उन्होंने आक्सफोर्ड, ब्रिस्टल मैनहेम और कार्डिफ जैसे विश्वविद्यालयों के वर्षों के अनुभव के आधार पर समझाया कि आज की डिजिटल और विभाजित दुनिया में लिबरल स्टडीज जैसे कि मनोविज्ञान, राजनीति विज्ञान, इतिहास और पत्रकारिता के लिए क्यों आवश्यक हैं। आज के दौर में जहां मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं डिजिटल थकान और सामाजिक विभाजन बढ़ रहे हैं, वहीं मनोविज्ञान हमें व्यवहार को समझने, पक्षपात कम करने और समावेशिता को बढ़ावा देने में मदद करता है। ग्लोबल एजुकेशन मानिटरिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार, यह 21वीं सदी में भावनात्मक रूप से ज्ञानवान और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिकों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस पृष्ठभूमि में प्रो. ह्यूस्टोन की यात्रा बीएससी साइकोलाजी के छात्रों के लिए बेहद मूल्यवान रही।

दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में यूपीईएस के कार्यक्रम में सोशल साइकोलाजी के क्षेत्र के प्रसिद्ध विद्वान प्रोफेसर माइल्स ह्यूस्टोन ● सामार विवि